(c) the number of vessels and ships proposed to be acquired and at what cost in term, of dollars and rupees;

(d) whether the SCI is facing the pro Uems of shortage of officers and if so. What aire the reaosns therefor; and

(a) what stamps Government have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir.

(b) and (c) Does not arise.

(d) Yes, Sir. The Shipping Corporation is currently facing an acute shor (age of certified Officers as. many Officers prefer to join foreign companies where they get tax free wages.

(e) The Government and Shipping Corporation of India have taken steps to train and recruit more Officers.

देश में बस सेवाओं का सवक्षण

2878. डा. बापू कालदाते : क्या जल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के महत्वपूर्ण शहरों में उपलब्ध बस सुविधाओं के बारे में कोई सर्वेक्षण किया है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:

(ग) क्या यह भी सच है कि राज्यों की राजधानियों सहित देश के कई महत्वपूर्ण शहरों में बस सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं .

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश के नगरवासियों को कुशल बस सेवा प्रदान करने के कोई योजना तैयार की है,

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है: और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) से (च) प्रश्न नहीं उठता ।

इंदिरा गांधी नहर में जल-परिवहन

2879. श्री शिवचरण सिंह : क्याजल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान की इंदिरा गांधी नहर में जल परिवहन चलाने की कोई योजना थी, यदिहां तो उसका क्या हुआ ।

(ख) क्या उपर्युक्त नहर में जलयान चलाए जाएंगे, यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं, और

(ग) क्या यह सच है कि राजस्थान नहर जिसे अब इंदिरा गांधी नहर के नाम से पुकारा जाता है, की मुल योजना में अरब सागर से पंजाब तक जल परिवहन का प्रावधान था और यदि हां, तो इस संबंध में क्या प्रगति हुई है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) :(क) से ग इंदिरा गांधी नहर परियोजना की निर्देशन समिति ने राजस्थान नहर में नौसं चालन संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं जाने संबंधी प्रश्न पर 1966 में विचार किया गयाथा और निम्नलिखित कारणों से उस प्रस्ताव को रद्द करने का निर्णय लिया :—

(i) कि यह एक महंगा प्रस्ताव है, और

(ii) कि नौसंचालन के लिए अपेक्षित पानी दे पाना संभव नहीं है क्योंकि इसके प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख एकड़ सिंचाई की हानि होगी ।